१. श्री शैलपुत्री स्तोत्रं (नवदुर्गेशु प्रथम दुर्गा)

ध्यानं

वन्दे वांछित लाभायाचन्द्रार्घ कृतशेखराम् |
वृषारूढां शूलधरां शैलपुत्री यशस्विनीम् ||
पूणेन्दुनिभां गौरी मूलाधार स्थितां प्रथम दुर्गा त्रिनेत्रा |
पटाम्बर परिधानां रत्नकिरीठां नानालंकार भूषिता ||
प्रफुल्ल वंदना पल्लवाधंराकातंकपोलांतुगकुचाम् |
कमनीयां लावण्यां स्मेरमुखी क्षीणमध्यां नितम्बनीम् ||

स्तोत्रं

प्रथम दुर्गा त्वंहि भवसागर तारणीम् | धन ऐश्वर्य दायनीं शैलपुत्री प्रणमाम्हम् ||
चराचरेश्वरी त्वंहि महामोह विनाशिन | भुक्ति मुक्ति दायनी शैलपुत्री प्रणमाम्यहम् ||

कवचं

ओमकार: मेशिर: पातुमूलाधार निवासिनी |
ह्रींकार पातु ललाटे बीजरूपा महेश्वरी ||
श्रींकार पातु वदने लज्जारूपा महेश्वरी |
हुंकार पातु हृदये तारिणी शक्ति स्वघृत ||
फट्कार:पातु सर्वागे सर्वसिद्धि फलप्रदा ||

इति श्री शैलपुत्री स्तोत्रं सम्पूर्ण

With Blessings :
'Mahadacharya' KALYANASASTRY AMANCHI
website : www.viswakalyanam.org, mailid : kalyanasastry@viswakalyanam.org,
17-38(B), Road Behind Ayyappa Temple, Ramamandir Street, CHIRALA,
Pin : 523 155, Prakasam District, (A.P.), INDIA.
India Ph. : 91-9248581234, Usa Ph. : 614+874+9133

www.viswakalyanam.org